# BIJENDRA PUBLIC SCHOOL

## Class - 4

## Subject : HINDI COURSE BOOK

## पाठ – 15 वंदन तुम स्वीकारो माँ

1. शब्दार्थ :–

| | | |
|---|---|---|
| जननी | – | माँ |
| कर्म–निरत | – | काम में लगा हुआ |
| वंदन | – | प्रणाम |
| मंगल कार्य | – | शुभ काम |
| शुभ्र | – | स्वच्छ, सफेद |
| तुच्छ | – | घटिया |
| नवल | – | नया |
| प्रेम | – | प्यार |
| निशि | – | रात |
| अर्पण | – | भेंट करना |

2. दिए गए प्रश्नों के उत्तर बताइए –

क. 'वंदन तुम स्वीकारो माँ' यह पंक्ति किसके लिए प्रयोग हुई है?

उत्तर 'वंदन तुम स्वीकारो माँ' यह पंक्ति भारत माता के लिए प्रयोग हुई है।

ख. कर्मों से क्या फलता है?

उत्तर कर्मों से भाग्य फलता है।

3. दिए गए प्रश्नों के उत्तर लिखिए –

क. भारत माँ का मुकुट किसे कहा गया है?

उत्तर भारत माँ का मुकुट ऊँचे हिमालय पर्वत को कहा गया है।

ख. सागर क्या करता है?

उत्तर सागर भारत माँ के चरण पकड़कर उनका गुणगान करता है।

ग. मानव को स्वार्थ छोड़कर क्या करना चाहिए?

उत्तर मानव को स्वार्थ छोड़कर हमेशा नया–नया शुभ काम करना चाहिए।

घ. हमें कैसा रहना चाहिए?

उत्तर हमें भेदभाव को भुलाकर सबके साथ प्रेम से मिल–जुलकर रहना चाहिए।

4. दी गई पंक्तियों को पूरा कीजिए –

क. चरण <u>पकड़ सागर गुण</u> गाता,
<u>गायन यह स्वीकारो</u> माँ!

ख. यही कर्म है तेरी पूजा,
<u>पूजन यह</u> स्वीकारो माँ!

ग. तन–मन–धन <u>सब तुमको अर्पण</u>,
<u>अर्पण यह</u> स्वीकारो माँ!

5. दी गई पंक्तियों का अर्थ अपने शब्दों में लिखिए –

| | | |
|---|---|---|
| तुच्छ स्वार्थ से ऊपर उठकर, | – | हमें अपने घटिया स्वार्थ से ऊपर उठना चाहिए, |
| नित नव मंगल–कार्य करें। | – | हमें हमेशा नया–नया अच्छा कार्य करना चाहिए। |
| मिल–जुलकर हम रहें प्रेम से, | – | हमें सबके साथ मिल–जुलकर प्रेम से रहना चाहिए, |
| भेदभाव सब दूर करें। | – | हमें सब भेदभाव दूर करना चाहिए। |